मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए एनएसटीआई परिसर अगरतला और बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया

• आनंदनगर, अगरतला, त्रिपुरा में 4.12 एकड़ में एनएसटीआई महिला (डब्ल्यू) का उद्घाटन किया गया। 17 करोड़ का निवेश

• एनएसटीआई वड़ोदरा, गुजरात को अपना स्वयं का बालिका छात्रावास मिला।

14 फरवरी, 2024: सरोजिनी नायडू की जयंती के शुभ अवसर पर, जिसे राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में भी मान्यता प्राप्त है, शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, भारत सरकार, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने महिलाओं के लिए राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, अगरतला का उद्घाटन किया और साथ ही वड़ोदरा, गुजरात में लड़कियों के एक छात्रावास का भी उद्घाटन किया। ये मील के पत्थर #नारीशक्ति को सशक्त बनाने, कौशल विकास में आगे बढ़ने वाली महिला प्रशिक्षुओं के लिए अनुकूल माहौल बनाने, कौशल विकास पहल में एक नए युग की शुरुआत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देते हैं।

इन संस्थानों की स्थापना देश भर में महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण के अवसरों तक समान पहुंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा को उनके

घरों के समीप लाकर, हम बाधाओं को तोड़ रहे हैं और कार्यबल में अपनी पूरी क्षमता दिखाने में महिलाओं को सक्षम बना रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में श्रीमती प्रतिमा भौमिक, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार, प्रोफेसर (डॉ.) माणिक साहा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री, श्रीमती संताना चकमा, माननीय उद्योग और वाणिज्य, जेल (गृह) और ओबीसी कल्याण मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्रीमती रंजनबेन धनंजय भट्ट, माननीय संसद सदस्य, वड़ोदरा, श्री राम प्रसाद पॉल, माननीय उपाध्यक्ष, विधान सभा त्रिपुरा और श्रीमती पिंकीबेन नीरजभाई सोनी, माननीय महापौर, वड़ोदरा नगर निगम, की गरिमामय उपस्थिति देखी गई जो प्रतिभा के पोषण और समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अपने वर्चुअल संबोधन में, शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, “राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान अगरतला और एनएसटीआई वड़ोदरा में बालिकाओं के छात्रावास का उद्घाटन करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। प्रारंभ की गई पहल पूर्वी और पश्चिमी भारत के दो महत्वपूर्ण केंद्रों में महिला सशक्तिकरण के सच्चे प्रतीक के रूप में होगी। ये क्षेत्र में महिलाओं को कौशल और दृष्टिकोण से लैस कर उन्हें मार्ग दिखाने की दिशा में काम करेंगे, उन्हें और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित महिलाओं-नीत विकास को उन्नत करने में मदद करेंगे”।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने कहा, "जैसा कि हम सशक्तिकरण की दिशा में अपनी यात्रा में एक और मील का पत्थर चिह्नित कर रहे हैं, कौशल विकास में हमारी पहल के प्रभाव को देखकर मुझे गर्व हो रहा है। पिछले नौ वर्षों में, कौशल विकास निदेशालय ने 42 हजार व्यक्तियों को मूल्यवान कौशल से लैस किया है, जिनमें से 17,000 से अधिक अकेले पीएमकेवीवाई कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारा समर्पण बखान करने से परे है; यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए ठोस कार्यों में परिलक्षित होता है। आर्थिक स्वतंत्रता की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, 'हमने यह सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है कि महिलाओं के पास अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के साधन हों।“

“महिला सशक्तिकरण के लिए त्रिपुरा राज्य नीति 2022 हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में है, जो महिला-पुरुष समानता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए हमारे

कार्यनीतिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। ठोस कदमों के माध्यम से, हम व्यवधानों को दूर कर रहे हैं और समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बना रहे हैं। उन्होनें आगे कहा आइए, मिलकर अधिक समावेशी और सशक्त त्रिपुरा की दिशा में इस यात्रा को जारी रखें।"

कुल 17 करोड़ रुपये की लागत के निवेश के साथ, संस्थान का आनंद नगर, अगरतला स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) का स्थायी परिसर अब प्रगति और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एमएसडीई, भारत सरकार के तहत 2015 में गुरखाबस्ती, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा में संचालित एनएसटीआई (डब्ल्यू) अगरतला, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर क्षेत्र की महिला प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने पर केंद्रित है। उच्च रोजगार क्षमता वाले ट्रेडों पर जोर देने के साथ, संस्थान वेतन और स्वरोजगार के लिए आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करता है। हाल ही में 4.12 एकड़ में निर्मित स्थायी परिसर का उद्घाटन कौशल विकास के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। परिसर में शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक के साथ-साथ 32 छात्राओं के लिए एक छात्रावास भी शामिल है।

शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के तहत, एनएसटीआई (महिला) अगरतला कॉस्मेटोलॉजी, ड्रेस मेकिंग और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस (अंग्रेजी) में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 2023-24 सत्र से शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण स्कीम (सीआईटीएस) के तहत खानपान और आतिथ्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन और कार्यालय प्रबंधन सहित नए ट्रेडों की शुरूआत, उद्योग की उभरती जरूरतों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वर्तमान में 102 प्रशिक्षुओं के नामांकन के साथ और आगामी सत्र में 200 और प्रशिक्षुओं को प्रवेश देने की स्कीम के साथ, एनएसटीआई (महिला) अगरतला का लक्ष्य कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

एनएसटीआई वड़ोदरा में लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित दो मंजिला छात्रावास भवन, अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए संस्थान के समर्पण का उदाहरण है। ट्विन-शेयरिंग आधार पर 80 प्रशिक्षुओं को समायोजित करने वाले 40 कमरों के साथ, यह सुविधा प्राकृतिक संवातन के साथ आरामदायक रहने की स्थिति सुनिश्चित करती है। एक व्यायामशाला और खेल गतिविधियों के लिए खुली जगह जैसी सुविधाओं से लैस, छात्रावास प्रशिक्षुओं के समग्र विकास में वृद्धि करता है।

वर्ष 1993 में स्थापित एनएसटीआई वड़ोदरा, शुरुआत, महिलाओं के कौशल विकास में अग्रणी रहा है। संस्थान, जो अब 6 एकड़ में फैले अपने स्वयं के परिसर में स्थित है, ने हाल ही में अधिक प्रशिक्षुओं को समायोजित करने के लिए एक नया छात्रावास भवन जोड़ा है। सीटीएस और सीआईटीएस के तहत ट्रेडों पर ध्यान देने के साथ, एनएसटीआई वड़ोदरा कंप्यूटर ऑपरेटर प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, फैशन डिजाइन और टेक्नोलॉजी और ऑफिस मैनेजमेंट सहित विविध प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कौशल संवर्धन हेतु संस्थान की प्रतिबद्धता विभिन्न प्रकार के कौशलों की पूर्ति करने वाले अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से और भी प्रामाणिक है।

विगत वर्ष नवंबर में, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनएसटीआई प्लस की स्थापना का उद्घाटन किया था, जिसका उद्देश्य ओडिशा में युवाओं के कौशल को बढ़ाना था। जटनी, भुवनेश्वर में 7.8 एकड़ के विशाल परिसर में स्थित, एनएसटीआई प्लस उम्मीदवारों तथा प्रशिक्षकों को उद्योग और भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करने के लिए एक आधुनिक गुरुकुल के रूप में उभरेगा।

श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एनएसटीआई परिसर और छात्रावास का वर्चुअल उद्घाटन कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन पहलों का उद्देश्य कौशल अंतराल को पाटना, महिलाओं को आजीविका के अवसरों के साथ सशक्त बनाना और देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में योगदान देना है।